Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ महाशिवरात्रि व्रत पारण विधि ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पारण का समय और तैयारी ॥

महाशिवरात्रि का रात्रि पूजन पूरा होने के बाद अगले दिन सुबह व्रत खोला जाता है। सामान्य परंपरा में स्नान और शिव पूजन के बाद सूर्योदय से चतुर्दशी तिथि समाप्त होने से पहले पारण किया जाता है। कुछ परिवारों में चतुर्दशी समाप्त होने के बाद का मत भी मिलता है।

स्थानीय पंचांग देखें

पारण का समय तिथि, सूर्योदय और स्थान के अनुसार बदलता है। वर्ष विशेष के लिए अपने शहर का पंचांग और घर या मंदिर की परंपरा देखें। किसी दूसरे शहर का पारण मुहूर्त अपने लिए समान न मानें।

सुबह का सरल क्रम

सुबह स्वच्छ होकर शिवजी को प्रणाम करें। शिवलिंग पर जल और बेलपत्र अर्पित करें या घर में शिव चित्र के सामने प्रार्थना करें। रात की पूजा में कमी रह गई हो तो अपराधबोध के बजाय शांत मन से आभार व्यक्त करें।

आरती या “ॐ नमः शिवाय” के जप के बाद प्रसाद बाँटें। व्रत खोलने से पहले थोड़ा जल लें और अपनी परंपरा के अनुसार फल या हल्का सात्त्विक भोजन ग्रहण करें। बहुत लंबे उपवास के तुरंत बाद भारी भोजन से बचें।

PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR

॥ भोजन और स्वास्थ्य का ध्यान ॥

पारण में क्या लें

घर की रीति के अनुसार फल, हल्का भोजन या सादा सात्त्विक आहार लें। तेलयुक्त और बहुत अधिक भोजन की जगह धीरे-धीरे खाएँ। यदि रात भर जागे हों तो शरीर को पर्याप्त आराम दें और पानी लेते रहें।

व्रत का स्वरूप

कोई निर्जल उपवास करता है, कोई फलाहार रखता है और कोई केवल पूजा करता है। गर्भावस्था, मधुमेह, बीमारी, बुज़ुर्ग अवस्था या नियमित दवाओं में भोजन-पानी रोकना हानिकारक हो सकता है। चिकित्सकीय सलाह और दवाएँ जारी रखें।

समापन प्रार्थना

शिव-पार्वती से अपने परिवार और सभी जीवों के कल्याण की प्रार्थना करें। अपनी सामर्थ्य से प्रसाद या भोजन बाँटना चाहें तो बाँटें। व्रत का समापन संयम, करुणा और स्वच्छता के भाव से करें।

यदि स्वास्थ्य के कारण पहले ही व्रत खोलना पड़े तो बिना देर किए आवश्यक भोजन या पानी लें। धार्मिक अनुष्ठान को उपचार का विकल्प न बनाएँ।

॥ हर हर महादेव ॥